भोले के दीवाने | By Kumar Narendra | Sanjay Pareek |

जात-पात के भाव त्याग कर
चले शिव के अनुयायी
सभी भक्तों के भाव भक्ति से
सब कांवड़िया भाई

जय शिव शंकर
जय माँ गौरा
जय शिव शंकर
जय माँ गौरा

हम भोले के दीवाने चले
गौरा शिव को मनाने चले
गंगा कांवड़ चढ़ाने चले
अपना भाग्य जगाने चले

दर्शन की मन में है कामना
हर भगत की यही भावना
गंगा भक्तों के कंधे चली
कैसी अनुपम ये आराधना

अपने भोले को हम जल से नहलाएंगे
भक्ति के भाव कांवड़ तले

हम भोले के दीवाने चले
गौरा शिव को मनाने चले
गंगा कांवड़ चढ़ाने चले
अपना भाग्य जगाने चले

शिव की तुम करो आरती
गौरा मइया का ध्यान लगाओ
गौरा मइया की कृपा जो मिल गई
शिव परिवार कृपा को पाओ

शिव परिवार पूजा में जग सार है
जो भी पूजे वो फूले फले

हम भोले के दीवाने चले
गौरा शिव को मनाने चले
गंगा कांवड़ चढ़ाने चले
अपना भाग्य जगाने चले

काल मृत्यु को जो टाल देता
तुमसे बदले में कुछ भी न लेता
महामृत्युंजय जाप करे जो
कष्ट एक पल में है हर लेता

ऐसा देव दयालु न देखा कहीं
मृत्यु ज्योति जो हर ले

हम भोले के दीवाने चले
गौरा शिव को मनाने चले
गंगा कांवड़ चढ़ाने चले
अपना भाग्य जगाने चले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-by-kumar-narendra-sanjay-pareek/